विशेष अनुरोध

प्रिय पाठकों, हम जानते हैं कि आज समूचा देश जल संबंधी समस्याओं को लेकर संघर्ष कर रहा है। कहीं बाढ़ तो कहीं सूखा, आदमी को चैन से बेठने नहीं दे रहा है। लेकिन दुर्भाग्य की बात तो यह है कि आज हमें पीने के लिए जो जल मिलता है उसकी गुणवत्ता का भी कोई भरोसा नहीं है।

प्रिय पाठकों, आपको विश्वास नहीं होगा कि जबसे राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान के बारे में देश की एकमात्र प्रतिष्ठित लोकप्रिय विज्ञान पत्रिका "विज्ञान प्रगति" के जनवरी 2011 वाले अंक में आमुख कथा प्रकाशित हुई है और उसमें जल सम्बन्धी जानकारियों पर आधारित "जल चेतना" नामक इस पत्रिका के प्रकाशन की बात कही गयी है तभी से हमारे पास बहुसंख्य प्रबुद्ध पाठकों के फोन तथा मेल अपनी समस्याओं हेतु आ चुके हैं और इन्हीं समस्याओं को सुनकर हमें पूरे देश में बढ़ रहे जल संकट के बारे में पता लगता है। हमारा ध्यान इस ओर है और हमारे वैज्ञानिक और भी अधिक एकाग्रता से इस क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। इन्हीं सब समस्याओं से प्रेरित होकर राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, "जल चेतना" नामक इस पत्रिका का पहला अंक आप सबके सम्मुख प्रस्तुत कर रहा है, जिसके माध्यम से सभी क्षेत्रों से जल एवं जल से सम्बंधित सुसंगत सामग्री का चयन कर एक आम आदमी की जानकारी बढ़ाने का प्रयास किया गया है।

इस पत्रिका के अन्तर्गत तकनीकी लेखों के अतिरिक्त लघु लेख, कविता, प्रश्नोत्तरी, शिक्षा एवं रोजगार, विशेष व्यक्तित्व जैसे सन्दर्भों को भी समुचित स्थान दिया गया है।

जल जैसे महत्वपूर्ण विषय पर हिन्दी के माध्यम से तकनीकी पत्रिका "जल चेतना" का प्रकाशन संस्थान के अन्य कार्यक्रमों के साथ–साथ एक विशिष्ट प्रयास है। हम जानते हैं कि किसी भी पत्रिका की सफलता के पीछे उसके सुधी पाठकों की राय व सुझाव ही सफलता की पहली सीढ़ी होते हैं। अतः आप सभी पाठकों की राय जानकर आपके सुझावों पर अमल करना हमारा उद्देश्य होगा।

हम आपसे विशेष रूप से आग्रह करते हैं कि आप सूचना प्रौद्योगिकी, नेनो टेक्नोलॉजी, जैवप्रौद्योगिकी तथा चिकित्सा विज्ञान के साथ–साथ भौतिक एवं रसायन विज्ञान में भी जल के उपयोग से सम्बन्धित उपलब्धियों को केन्द्र बिन्दु बनाते हुए हमें अपने लेख भेजने का कष्ट करें।

हम उन सभी लेखकों का सम्मान करते हैं जो अपने लेख यूनिकोड प्रणाली के कृतिदेव 10 या पेज मेकर (6.5 या 7.0) का प्रयोग करते हुए प्रकाशन हेतु हमें भेजने का प्रयास करेगें। लेख अगर तथ्यों पर आधरित हो और रंगीन चित्रों से सुसज्जित हों तो अधिक लोकप्रिय हो सकेगा।

हम जानते हैं कि इस पत्रिका को और अधिक ऊँचाइयों तक पहुँचाना सिर्फ आप ही पर निर्भर करता है। हम विशेषज्ञता प्राप्त चिकित्सक, इंजीनियर, स्कूल कॉलेजों के अनुभवी अध्यापक और विश्वविद्यालयों के कर्मठ प्रोफेसर तथा अनुसंधानकर्त्ताओं से निवेदन करते हैं कि आप इस पत्रिका से किसी न किसी रूप में अवश्य जुड़ें और समय–समय पर प्रकाशन हेतु उत्कृष्ट एवं जनोपयोगी सामग्री रंगीन एवं आकर्षक चित्रों सहित हमें भेजते रहें ताकि उसे और अधिक आकर्षक रूप में ढालते हुए हम उसे शीघ्रातिशीघ्र प्रकाशित कर सकें।

हमारा यह भी अनुरोध है कि आर्टिकल लिखने का कार्य प्रारंभ करने से पहले कृपया हमसे सम्पर्क अवश्य साध लें क्योंकि कभी–कभी एक ही विषय पर लगभग एक जैसी सामग्री एक से अधिक लेखकों द्वारा भेज दी जाती है। ऐसी स्थिति में सभी लेखों को प्रकाशित करना मुश्किल हो जाता है। अतः टेलीफोन या मेल द्वारा सम्पर्क साधकर वार्तालाप के उपरान्त ही रचनाओं को भेजना इस समस्या का समाधान हो सकता है।

रमा मेहता
सम्पादक, जल चेतना
वैज्ञानिक एवं हिन्दी अधिकारी
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की–247667, जिला–हरिद्वार (उत्तराखंड)
Email: rama@nih.ernet.in
दूरभाष. 01332–249228 मो. 09411774278